सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 8 ● अंक: 224 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 23 सितम्बर, 2022
मूल्य ₹ 3/-

हमें शांति के लिए उतनी ही बहादुरी से लड़ना चाहिए जितना हम युद्ध में लड़ते हैं।
-लाल बहादुर शास्त्री

अशोक गहलोत का ऐलान, लड़ूंगा... 7
पूर्वांचल में सियासी ताना... 3
रामदेव बोले, 2024 में मोदी ही... 8

सदन से सपा का वॉक आउट

सरकार के खिलाफ विधायकों संग सड़क पर उतरे अखिलेश

- विधान सभा में हंगामे के बाद पैदल मार्च कर पहुंचे पार्टी मुख्यालय
- महंगाई, बेरोजगारी, कानून व्यवस्था समेत कई मुद्दों पर प्रदर्शन, नारेबाजी
- सरकार पर लगाया जनहित के सवालों का उत्तर नहीं देने का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

फोटो: सुमित कुमार

लखनऊ। यूपी विधानमंडल के मानसून सत्र के अंतिम दिन महंगाई, बेरोजगारी और कानून व्यवस्था समेत तमाम मुद्दों को लेकर सपा विधायकों ने विधान सभा में हंगामा किया। नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने सरकार पर जनहित के मुद्दों का उत्तर नहीं देने का आरोप लगाते हुए विधायकों संग सदन से वॉक आउट कर दिया। वे पैदल मार्च करते सपा दफ्तर पहुंचे। इस दौरान सरकार के खिलाफ प्रदर्शन और नारेबाजी की गयी।

विधान सभा की कार्यवाही शुरू होते ही नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने सरकार पर पूछे गए प्रश्नों का उत्तर न देने का आरोप लगाया। वहीं सपा विधायकों ने सरकार पर जनहित के मुद्दों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए हंगामा किया और सदन से वॉक आउट कर गए। इसके बाद अखिलेश यादव अपने विधायकों के साथ सड़क पर निकल पड़े। उन्होंने विधान भवन के पीछे की सड़क से राजभवन होते हुए सपा मुख्यालय तक पैदल मार्च किया।

अखिलेश ने कहा कि नेशनल क्राइम रिकार्ड ब्यूरो और महिला आयोग के आंकडों के हिसाब से महिलाओं के ऊपर सर्वाधिक उत्पीड़न उत्तर प्रदेश में हो रहा है। राज्य में कानून व्यवस्था ठप हो चुकी है और नेताओं पर झूठे मुकदमे लगाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में गरीब तथा किसान परेशान हैं। सूखा और बाढ़ से किसानों को नुकसान हुआ है। लंपी बीमारी से पशुओं की मौत हुई लेकिन किसानों को कोई राहत नहीं मिल रही है। वहीं अखिलेश के अचानक लिए गए इस फैसले से लखनऊ का पुलिस प्रशासन भी हैरान रह गया। सड़क पर उनको रोकने का भी कोई इंतजाम नहीं हो सका।

राज्यपाल से मिले सपा प्रमुख, कहा आजम खां के खिलाफ दर्ज हो रहे हैं झूठे मुकदमे

लखनऊ। विधान भवन जाने से पहले सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से भेंट की और उनको एक ज्ञापन सौंपा। उनके साथ एक दर्जन विधायक भी राजभवन पहुंचे थे। मुलाकात के बाद अखिलेश यादव ने कहा कि मैंने राज्यपाल से भेंट कर पार्टी के नेता तथा वरिष्ठ विधायक आजम खां के मामले में हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि योगी सरकार आजम खां के खिलाफ दमन वाली नीति अपना रही है। उनके खिलाफ लगातार झूठ फैलाया जा रहा है। आजम खां पर लगातार झूठे मुकदमे लगाए जा रहे हैं और उनके साथ घोर अन्याय हो रहा है। इतना ही नहीं उनके परिवार को भी प्रताड़ित किया जा रहा है। रामपुर में शिक्षा के बड़े केन्द्र बन चुके जौहर विश्वविद्यालय को भी निशाना बनाया जा रहा है।

भागवत को राष्ट्र ऋषि कहने पर मायावती ने पूछा

क्या अब मुस्लिमों के प्रति बदल जाएगा भाजपा-संघ का रवैया

- ऑल इंडिया इमाम ऑर्गनाइजेशन के प्रमुख इलियासी ने संघ प्रमुख को कहा था राष्ट्र ऋषि

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा प्रमुख मायावती ने संघ प्रमुख मोहन भागवत को उलेमाओं द्वारा राष्ट्र ऋषि कहे जाने पर आरएसएस और भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि क्या भागवत को राष्ट्र ऋषि कहने से मुस्लिमों के प्रति संघ-भाजपा का रवैया बदलेगा?

उन्होंने ट्वीट किया, मोहन भागवत द्वारा कल दिल्ली स्थित मस्जिद/मदरसे में जाकर उलेमाओं से मुलाकात करने और फिर उनसे अपने आपको 'राष्ट्रपिता' व 'राष्ट्र ऋषि' कहलवाने के बाद क्या भाजपा व इनकी सरकारों का मुस्लिम समाज व उनके मस्जिद-मदरसों के प्रति नकारात्मक रुख में बदलाव आएगा? यूपी सरकार खुली जगह में कुछ मिनट की अकेले में नमाज पढ़ने की मजबूरी को भी सहन नहीं कर पा रही है तथा निजी मदरसों में हस्तक्षेप पर उतारू है, किन्तु आरएसएस प्रमुख चुप्पी साधे हैं। गौरतलब है कि मोहन भागवत को ऑल इंडिया इमाम ऑर्गनाइजेशन के प्रमुख इमाम उमर अहमद इलियासी ने राष्ट्रपिता और राष्ट्र ऋषि बताया था।

धन के अभाव में न रुकने पाए किसी का इलाज : योगी

- अधिकारियों को तत्काल समस्या के समाधान का दिया आदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में आयोजित जनता दरबार में फरियादियों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों से उनकी समस्याओं के समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुके।

सीएम कहा कि हर किसी के साथ न्याय होना चाहिए। जनता दर्शन में बड़ी संख्या में जमीन-जायदाद और इलाज के मामले आए। मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में मौजूद अधिकारियों को जमीन की समस्या का समाधान जल्द से जल्द करने का निर्देश दिया। साथ ही इलाज के लिए धन की मांग लेकर आए लोगों पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे यह सुनिश्चित करें कि किसी भी व्यक्ति का इलाज धन के अभाव में रुकने न पाए। उन्होंने 100 से अधिक लोगों की समस्याएं सुनीं। सभी लोगों के प्रार्थना पत्र को लिया। कई की समस्या का निराकरण फोन पर ही कर दिया गया।

उपद्रव के लिए उकसाने वालों पर भी होगा मुकदमा

योगी सरकार ने विधानसभा में पेश किया संशोधित विधेयक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दंगाइयों से क्षतिपूर्ति के लिए उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार कानून को और सख्त बनाने के साथ ही दावा प्राधिकरणों के अधिकार बढ़ाने जा रही है। इसके लिए उत्तर प्रदेश लोक तथा निजी संपत्ति क्षति वसूली (संशोधन) विधेयक 2022 गुरुवार को विधानसभा में पेश किया गया। योगी सरकार ने सरकारी और निजी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने वाले उपद्रवियों पर शिकंजा करने के लिए कई महत्वपूर्ण सिफारिशें की हैं। इनके तहत अब किसी हिंसा के दौरान लोक अथवा निजी संपत्ति की क्षतिपूर्ति के साथ घटना को संभालने तथा कानून-व्यवस्था बहाल करने में लगे पुलिस व प्रशासन के खर्च को भी जोड़ा जाएगा।

सूत्रों का कहना है कि अब किसी प्रदर्शन अथवा धरने के दौरान उपद्रव होने की दशा में उस आयोजन को कराने वालों को भी आरोपित बनाया जाएगा। इसके अलावा दावा प्राधिकरण की शक्तियां भी बढ़ाई जाएंगी। दावा प्राधिकरण भी किसी मामले का स्वतः संज्ञान ले सकेगा। कोई याचिका तीन माह के स्थान पर तीन वर्ष तक दावा प्राधिकरण के समक्ष प्रस्तुत किए जाने की बात भी कही गई है। साथ ही दावा प्राधिकरण को याचिका प्रस्तुत करने वाले को अतिरिक्त समय देने का अधिकार दिए जाने की भी तैयारी है। माना जा रहा है कि शुक्रवार को इस विधेयक को विधानसभा मंजूरी मिल सकती है। साथ ही उसे विधान परिषद में भी पेश किया जाएगा।

विधान परिषद में पास हुए तीन विधेयक

विधानसभा के बाद विधान परिषद में भी गुरुवार को तीन विधेयक ध्वनिमत पास हो गए। इनमें उत्तर प्रदेश माल और सेवा कर (संशोधन) विधेयक-2022, सामान्य भविष्य निधि (उत्तर प्रदेश) नियमावली, 1985-नियम-12 (संशोधन और विधिमान्यकरण) विधेयक-2022 व इंटरमीडिएट शिक्षा (संशोधन) विधेयक-2022 शामिल हैं।

समाज व न्याय हित में संज्ञेय अपराधों में भी हो सकता है समझौता : हाईकोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि पीड़िता व आरोपी साढ़े चार साल के बेटे सहित शादीशुदा खुशहाल जीवन जी रहे हो तो पति पर नाबालिग से दुराचार व अपहरण के आरोप केस चलाना उचित नहीं है। कोर्ट ने कहा यदि पति को सजा सुनाई गई तो समाज हित में नहीं होगा। पीड़िता पत्नी को भारी दिक्कत उठानी पड़ेगी और उसका भविष्य बर्बाद हो जायेगा।

यह आदेश न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान ने राजीव कुमार की याचिका को स्वीकार करते हुए दिया है। केस के बाद दोनों ने शादी कर ली और समझौता कर साथ रह रहे हैं। पीड़िता ने खुद ही कहा प्राथमिकी उसके मामा ने दर्ज कराई थी। केस में हाजिर नहीं हो रहे। उनका शादीशुदा जीवन बर्बाद करने पर तुले हुए हैं। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के ज्ञान सिंह केस के हवाले से याची के खिलाफ अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश बागपत की अदालत में चल रहे आपराधिक मुकदमे की पूरी कार्यवाही रद्द कर दी है। याची के खिलाफ बागपत के दोघट थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई। पुलिस की 25 जून 2015 की चार्जशीट पर कोर्ट ने 30 जुलाई 15 को संज्ञान भी ले लिया। याची पर नाबालिग का अपहरण कर दुराचार करने का आरोप है। याची ने पीड़िता से शादी कर ली। एक बच्चा भी है। खुशहाल जीवन बिता रहे हैं। याची का कहना था कि समझौता हो चुका है।

पंखुड़ी पाठक को यूपी कांग्रेस में मिली नई जिम्मेदारी

अखिलेश यादव और डिंपल यादव की भी करीबी रह चुकी हैं पंखुड़ी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नोएडा। पिछले कुछ सालों के दौरान सोशल मीडिया पर राजनीतिक दलों का प्रचार अधिक तेजी से बढ़ा है। आलम यह है कि राजनीतिक दल और उनके नेता सोशल मीडिया पर अपनी छवि चमकाने के लिए अधिक सक्रिय रहते हैं। इस बीच ताजा राजनीतिक घटनाक्रम में नोएडा से यूपी विधानसभा चुनाव 2022 में कांग्रेस प्रत्याशी रहीं पंखुड़ी पाठक को उत्तर प्रदेश कांग्रेस सोशल मीडिया विभाग में नई जिम्मेदारी दी गई है। इसी कड़ी में वह पहले प्रदेश उपाध्यक्ष थीं, अब उन्हें अध्यक्ष बनाया गया है।

बताया जा रहा है कि यह सब प्रियंका गांधी से मंत्रणा के बाद हुआ है। पंखुड़ी पाठक पर कांग्रेस पार्टी ने बड़ा दांव खेला है। पंखुड़ी पाठक ने अपनी छात्र राजनीतिक की शुरुआत दिल्ली विश्वविद्यालय से की, लेकिन कोई खास सफलता नहीं मिली। बावजूद पंखुडी पाठक की छवि से अखिलेश यादव और डिंपल यादव दोनों प्रभावित हुए। पंखुड़ी ने वर्ष 2010 में समाजवादी पार्टी दामन थामा लिया। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2012 से पहले अध्यक्ष अखिलेश यादव की क्रांति रथ यात्रा में भी पंखुड़ी पाठक हिस्सा लिया था। इतना ही नहीं पंखुड़ी पाठक के बात करने अंदाज, छवि और उनकी शैली से अखिलेश यादव ही नहीं बल्कि उनकी पत्नी डिंपल यादव भी काफी प्रभावित रहीं। वर्ष 1992 में दिल्ली में जन्मीं पंखुड़ी पाठक के पिता का नाम जेसी पाठक और माता का नाम आरती पाठक है। दोनों ही पेशे से डॉक्टर हैं और दिल्ली में ही प्राइवेट प्रैक्टिस करते हैं। पंखुड़ी का छोटा भाई चिराग पाठक है। वहीं, पंखुड़ी पाठक ने दिल्ली विश्वविद्यालय के नामी हंसराज कॉलेज से कानून की पढ़ाई की है। छात्र राजनीति में वह साल 2010 चुनाव जीतकर वह सह सचिव भी रहीं। पंखुड़ी ने साल 2010 में समाजवादी पार्टी ज्वॉइन की और अखिलेश की क्रांति रथ यात्रा में भी हिस्सा लिया था।

विधान सभा में महंगाई पर बोली योगी सरकार आवश्यक वस्तुओं पर है केंद्र का नियंत्रण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधानसभा के महिला विशेष सत्र में कांग्रेस की विधान मंडल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने खेती की लागत मूल्य के साथ ही खाद्य पदार्थों पर महंगाई का मुद्दा उठाया। खाद्य पदार्थ की महंगाई पर सरकार की ओर से जवाब दिया गया कि आवश्यक वस्तुओं पर केंद्र सरकार का नियंत्रण है। वहीं खेती की लागत बढ़ने के सवाल पर कांग्रेस सदस्य को कांग्रेस शासित राज्यों में वसूले जा रहे वैट की सूची सुना दी गई।

आराधना मिश्रा ने कहा कि देश-प्रदेश आज महंगाई के दंश से पीड़ित है। सबसे ज्यादा असर रसोई पर पड़ा है। 70 वर्ष की सर्वाधिक महंगाई के दौर से हम लोग गुजर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उज्ज्वला योजना में गरीबों को रसोई गैस सिलेंडर दिए गए, लेकिन 2019 का लोकसभा चुनाव खत्म होते ही वह महंगे हो गए और महिलाएं खून के आंसू रो रही हैं। किसानों को वादे के मुताबिक न्यूनतम समर्थन मूल्य नहीं दिया गया। खाद-बीज महंगा हो गया। घर बनाना महंगा हो गया, कपड़े पर जीएसटी लगा दिया गया। सब्जियां इतनी महंगी हो गई हैं। सरकार की ओर से गन्ना विकास मंत्री लक्ष्मीनारायण चौधरी ने जवाब दिया। वह बोले कि मुख्यत: 22 वस्तुएं आवश्यक वस्तु की सूची में हैं। उन पर केंद्र सरकार नियंत्रण है। जिस पर प्रदेश सरकार का नियंत्रण है, उन पर सबसे कम वैट यूपी में लग रहा है। वहीं, उज्ज्वला कनेक्शन वालों को 12 सिलिंडर 200 रुपये की सब्सिडी पर दिए जा रहे हैं।

किसानों की आय बढ़ाने के लिए हुए बेहतर प्रयास

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी किसानों और महंगाई से संबंधित कई विपक्षी सदस्यों के प्रश्नों का साझा उत्तर दिया। कहा कि किसानों की आमदनी को बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने प्रयास किए हैं। कोरोना काल में केमिकल-फर्टिलाइजर की कीमत भले बढ़ी हो, लेकिन सरकार ने टैक्स कम किया। पहली बार उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग के साथ मिलकर बिजली के दाम कम किए गए। तीस हजार सोलर पैनल आवंटन की योजना का जिक्र भी किया।

गरीबों की ज्यादा चिंता भाजपा सरकार ही कर रही

मंत्री लक्ष्मीनारायण चौधरी ने कहा कि खाद्य पदार्थों के लिए खुदरा और थोक व्यापारियों के स्टाक सीमा निर्धारित है। उस आधार पर सरकार ने जमाखोरों पर कार्रवाई भी की है। सब्जियों की महंगाई के प्रश्न पर बोले कि सब्जियां छोटे किसान उगाते हैं, आप उनके विरोधी क्यों हैं। चौधरी ने कहा कि गरीबों की सबसे ज्यादा चिंता भाजपा सरकार ही कर रही है। कोरोना जैसी महामारी में एक व्यक्ति की भी मृत्यु भूख से नहीं हुई। वहीं, पेट्रो पदार्थों पर महंगाई के प्रश्न पर वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने उत्तर दिया। उन्होंने कांग्रेस सदस्य को कांग्रेस शासित राजस्थान, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र आदि राज्यों में वसूले जा रहे वैट की सूची सुना दी। कहा कि इन सबसे कम वैट यूपी सरकार ले रही है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

एनसीआर की तर्ज पर विकसित होगा वृहद बनारस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

12 जिलों को समाहित करने की योजना

वाराणसी। राष्ट्रीय राजधानी परिक्षेत्र (एनसीआर) की तर्ज पर वृहद बनारस परिक्षेत्र बनाने की शासन स्तर पर तैयारी की जा रही है। वाराणसी के साथ आजमगढ़, मिर्जापुर और प्रयागराज मंडल के 12 जिलों को समाहित करते हुए वृहद बनारस की परिकल्पना को साकार किया जाएगा। वृहद बनारस परिक्षेत्र के मसौदे को धरातल पर उतारने के लिए शासन स्तर पर चार से ज्यादा बैठकें हो चुकी हैं।

बनारस को पूर्वी उत्तर प्रदेश की राजधानी की तरह विकसित करने की तैयारी है। इसकी योजना तैयार की जा रही है। महानगर का स्वरूप ले चुकी काशी में रोजगार की तेजी से बढ़ रही संभावनाओं और आबादी के दबाव को देखते हुए इस परिक्षेत्र की रूपरेखा बनाई जा रही है। चार मंडलों के जिलों की सीमा को जोड़कर विशेष प्लान तैयार किया जा रहा है। पूरे परिक्षेत्र के विकास के लिए राज्य सरकार विशेष पैकेज पर भी विचार कर रही है। इसमें आवासीय, औद्योगिक, व्यावसायिक विकास सहित अन्य पहलुओं पर संभावनाएं तलाशी जाएंगी। इसके लिएएक विशेष टीम भी गठित की गई है।

पूर्वांचल में सियासी ताना-बाना मजबूत करने की तैयारी में भाजपा

- भाजपा अपना दल और निषाद पार्टी के साथ सुभासपा को जोड़कर चल सकती बड़ा दांव
- ओम प्रकाश राजभर भी लोक सभा चुनाव से पहले तलाश रहे ठिकाना
- सपा को पूर्वांचल में घेरने की तैयारी, दोनों दलों में बढ़ रही नजदीकियां

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव में लगातार दूसरी बार प्रदेश की सत्ता में लौटी भाजपा अब लोक सभा चुनाव की तैयारियों में जुट गयी है। इस बार भाजपा ने लोक सभा की सभी अस्सी सीटों पर क्लीन स्वीप का टारगेट सेट किया है। इसमें पूर्वांचल उसकी सबसे बड़ी चिंता का कारण है। लिहाजा भाजपा यहां के जातीय समीकरणों को मजबूत करने के लिए अपने सहयोगियों अपना दल और निषाद पार्टी के साथ ओम प्रकाश राजभर को एक बार फिर अपने साथ लेने की तैयारी कर रही है। यदि ये तीनों ही दल भाजपा के साथ रहे तो पूर्वांचल में सपा के लिए कड़ी चुनौती होगी।

लोक सभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा और सुभासपा प्रमुख ओम प्रकाश राजभर के रिश्तों पर जमी बर्फ पिघलने लगी है। 2022 के विधान सभा चुनाव में भले ही राजभर का भाजपा संग पुनर्मिलन नहीं हो पाया लेकिन 2024 में दोनों ही दल करीब आ रहे हैं। ओम प्रकाश राजभर ने सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात के बाद स्पष्ट संकेत मिल रहे हैं कि भाजपा-सुभासपा फिर से आपस में हाथ मिला सकते हैं। यूपी में भर-राजभर जातियों को अनुसूचित जनजाति में शामिल करने पर जिस तरह से योगी सरकार और राजभर के बीच सहमति का दावा किया गया है, उससे संभावना है कि 2024 के लोक सभा चुनाव में यह दोनों दल साथ खड़े नजर आएंगे। नीतीश कुमार की विपक्षी एकता की सक्रियता को देखते हुए भाजपा भी यूपी में अभी से अपना सियासी ताना-बाना बुनने में जुटी है। वहीं, सपा से नाता तोड़ने के बाद ओम प्रकाश राजभर यूपी में एक मजबूत सहारा तलाश रहे हैं। ऐसे में राजभर को भाजपा के साथ जाने में फिलहाल फायदा दिख रहा है, क्योंकि सपा से रिश्ते बिगड़ चुके हैं और बसपा उनके लिए अपना दरवाजा नहीं खोल रही है। भाजपा को भी पूर्वांचल में अपने सियासी आधार को मजबूत बनाए रखने के लिए ओम प्रकाश राजभर का साथ चाहिए। भाजपा पूर्वांचल के किले को मजबूत बनाए रखने के लिए अपने सियासी समीकरण को दुरुस्त करने में जुटी है। निषाद पार्टी और अपना दल (एस) के साथ-साथ ओम प्रकाश राजभर की सुभासपा भी भाजपा के साथ हाथ मिला लेती है तो अखिलेश के लिए पूर्वांचल में अपने सियासी वजूद को बचाए रखना मुश्किल होगा क्योंकि बसपा 2024 को लेकर अपने पत्ते नहीं खोल रही है और दूसरे जातीय आधार वाले दल भाजपा के साथ हैं।

क्या है पूर्वांचल का समीकरण

पूर्वांचल की सियासत अभी भी जाति के इर्द-गिर्द सिमटी हुई है। भाजपा 2022 के विधान सभा चुनाव में अनुप्रिया पटेल की अपना दल (एस) और संजय निषाद की निषाद पार्टी के साथ मिलकर सत्ता वापसी करने में भले ही कामयाब रही हो लेकिन राजभर का विपक्षी खेमे के साथ खड़े रखने का खामियाजा उसे पूर्वांचल में कई जिलों में भुगतना पड़ा। भाजपा कई जिलों में खाता नहीं खोल सकी थी। इसके अलावा पूर्वांचल में 2014 में जीती हुई कई लोक सभा सीटें भाजपा ने 2019 में गंवा दी थी, जिसे अब दोबारा से हासिल करने की जद्दोजहद कर रही है। पूर्वांचल में निषाद, कुर्मी, राजभर सहित तमाम पिछड़ी और अति पिछड़ी जातियों का प्रभाव है और जाति के बिसात पर ही सारे सियासी दांव खेले जाते हैं। भाजपा का इसमें पलड़ा भारी दिख रहा है।

क्लीन स्वीप की तैयारी कर रही पार्टी

भाजपा 2024 के लोक सभा चुनाव के मद्देनजर यूपी में कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहती। भाजपा ने यूपी की सभी 80 लोक सभा सीट जीतने की तैयारी कर रही है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए भाजपा अभी से सियासी समीकरण को दुरुस्त करने में जुटी है। एक तरफ भाजपा अपने मंत्रियों को जमीनी स्तर पर काम करने का जिम्मा दे रखा है तो दूसरी तरफ सीएम योगी से लेकर डिप्टी सीएम तक सूबे का ताबड़तोड़ दौरे कर रहे हैं।

छोटे शहरों में अब पीक आवर्स में नहीं होगी बिजली की किल्लत

- पावर कार्पोरेशन ने बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम लगाने को दी मंजूरी
- इटावा, हाथरस, अलीगढ़, मथुरा और गाजियाबाद के ट्रांसमिशन उपकेन्द्रों का चयन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। छोटे शहरों को अब आपात स्थिति में पीक आवर्स में बिजली आपूर्ति हो सकेगी। पावर कार्पोरेशन प्रबंधन इनवर्टर की तरह प्रदेश में बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम लगाने की तैयारी कर रहा है। प्रदेश के 22 ट्रांसमिशन उपकेंद्रों में से पांच को इसके लिए चुना गया है। इन उपकेंद्रों में 10 मेगावाट क्षमता के बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम लगाए जाएंगे। फिलहाल इसके लिए इटावा, हाथरस, अलीगढ़, मथुरा और गाजियाबाद के ट्रांसमिशन उपकेन्द्रों का चयन किया गया है।

राज्य विद्युत नियामक आयोग ने इस परियोजना को हरी झंडी दे दी है। इस सिस्टम के चालू हो जाने के बाद बिजली कंपनियों पर पीक आवर्स में महंगी बिजली खरीद का बोझ कम होगा। छोटे शहरों में खास तौर पर पीक आवर्स में बिजली की किल्लत दूर करने के लिए पावर कार्पोरेशन ने बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम लगाने की परियोजना के लिए नियामक आयोग में याचिका दाखिल की थी। पहले चरण में 10-10 मेगावाट के पांच प्रोजेक्ट लगाने का प्रस्ताव है। सुबह और शाम चार-चार घंटे की चार्जिंग के बाद इस सिस्टम से आपूर्ति की जा सकेगी। नियामक आयोग ने पावर कार्पोरेशन की इस याचिका को मंजूरी दे दी है। अधिकारियों के मुताबिक दिन में जब बिजली उपलब्ध रहेगी तब स्टोरेज सिस्टम को चार्ज किया जाएगा और शाम को पीक आवर्स में इससे आपूर्ति की जाएगी। नियामक आयोग की ओर से जारी आदेश के अनुसार परियोजना प्रतिस्पर्धात्मक बिडिंग के माध्यम से लगाई जाएगी। शुरू में इस परियोजना को लगाने में ऐसे क्षेत्रों को प्राथमिकता दी जाएगी। जहां राजस्व ज्यादा मिल रहा है। टेंडर सफल होने वाली फर्म के लिए एक अनिवार्य शर्त यह रखी गई है कि अगर बैटरी एनर्जी स्टोरेज की उपलब्धता 70 प्रतिशत से कम रही उस पर पेनल्टी लगाई जाएगी।

अब उपभोक्ताओं को पर्याप्त बिजली मिलेगी

नई तकनीक की इस परियोजना पर प्रति मेगावाट लगभग छह करोड़ रुपये खर्च आने का अनुमान है यानी 10 मेगावाट के सिस्टम पर 60 करोड़ रुपये खर्च आएगा। यूपी बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम की तरफ कदम बढ़ाने वाला पहला राज्य होगा। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने इस परियोजना को मंजूरी दिए जाने पर नियामक आयोग के अध्यक्ष आर.पी. सिंह और पावर कार्पोरेशन के अध्यक्ष एम. देवराज के प्रति आभार जताते हुए कहा कि उम्मीद है कि आने वाले समय में बड़े पैमाने पर प्रदेश में यह सिस्टम लगेगा तो बिजली कंपनियों को पीक आवर्स में महंगी बिजली नहीं खरीदनी पड़ेगी और छोटे शहरों के उपभोक्ताओं को पर्याप्त बिजली मिल सकेगी।

किसानों को सिंचाई के लिए 88 प्रतिशत सब्सिडी पर बिजली दे रही सरकार

प्रदेश में किसानों को सिंचाई के लिए मुफ्त बिजली नहीं मिलेगी। विधान सभा में सिंचाई के लिए मुफ्त बिजली देने के सवाल के जवाब में ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने कहा कि सरकार किसानों को सिंचाई के लिए 88 प्रतिशत सब्सिडी पर बिजली दे रही है। विपक्ष के सदस्यों के स्थिति स्पष्ट करने की मांग पर विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि ऊर्जा मंत्री कह चुके हैं कि मुफ्त बिजली नहीं दे सकते है। ऊर्जा मंत्री ने भी सवाल के लिखित जवाब में कहा है कि मुफ्त बिजली देने पर विचार करने का प्रश्न ही नहीं उठता है। विधान सभा में रालोद के सदस्य अजय कुमार और सपा के जियाउर्रहमान ने किसानों की फसल लागत कम करने और आय में वृद्धि के लिए नलकूपों पर मुफ्त बिजली देने का मुद्दा उठाया। अजय कुमार ने कहा कि सरकार ने 2022 तक किसानों की आय दोगुना करने का वादा किया था लेकिन डीजल, यूरिया, बीज और खाद के दाम बढ़ने से किसान बदहाल है। ऐसे में किसानों को मुफ्त बिजली देनी चाहिए। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि किसानों की फसल उत्पादन लागत को कम करने के लिए सरकार बिजली की प्रचलित दरों और टैरिफ 750 रुपये प्रति हार्सपावर प्रतिमाह के मात्र 85 रुपये प्रति हार्सपावर प्रतिमाह ले रही है। उन्होंने कहा कि किसानों को कृषि कनेक्शन पर 88.19 प्रतिशत की सब्सिडी से बिजली आपूर्ति की जा रही है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

शराब से मौत के बढ़ते मामले खतरे की घंटी

उत्तर प्रदेश में जहरीली और मिलावटी शराब से होने वाली मौतों के बढ़ते मामले गंभीर चिंता का विषय हैं। इस मामले में एनसीआरबी की ताजा रिपोर्ट चौंकाने वाली है। इसके मुताबिक शराब से होने वाली मौतों के मामले में यूपी देश में पहले नंबर पर है। पिछले साल यहां 137 लोगों की मौत जहरीली शराब से हुई जबकि देश में शराब से मरने वालों की कुल संख्या 782 दर्ज की गयी है। 127 मौतों के साथ पंजाब दूसरे और 108 मौत के साथ मध्य प्रदेश तीसरे नंबर पर रहा। हैरानी की बात यह है कि मरने वालों में 29 महिलाएं भी शामिल हैं। सवाल यह है कि मौतों के लिए जिम्मेदार जहरीली शराब कहां से आ रही है? सरकारी ठेकों से मिलावटी शराब की बिक्री कैसे हो रही है? शराब माफियाओं पर शिकंजा कसने में आबकारी विभाग नाकाम क्यों है? क्या सरकारी कर्मियों और शराब माफियाओं की मिलीभगत से यह धंधा फल-फूल रहा है? जहरीली शराब से बढ़ती मौतों से सरकार सबक क्यों नहीं ले रही है? कोर्ट की फटकार का असर अफसरों पर क्यों नहीं पड़ रहा है?

प्रदेश में जहरीली और मिलावटी शराब का धंधा खूब फल-फूल रहा है। पिछले साल अलीगढ़ में जहरीली शराब से 105 लोगों की मौत हुई थी जबकि आजमगढ़ में 13 लोगों ने अपनी जान गंवा दी थी। बुलंदशहर में 6 और प्रयागराज में 13 लोगों की मौत जहरीली शराब के कारण हुई। आंकड़ों के मुताबिक गत तीन साल में 260 लोगों की मौत जहरीली शराब से हो चुकी है। हैरानी की बात यह है कि अब यह जहरीली शराब सरकारी ठेकों से भी मिलने लगी है। प्रदेश के कई गांवों में आज भी शराब की अवैध भट्ठियां धधक रही हैं। शराब माफिया और कर्मियों की मिलीभगत से मिलावटी शराब सरकारी ठेके से बेची जा रही है और यह सब आबकारी विभाग के नाक के नीचे हो रहा है। बावजूद इसके आबकारी विभाग ने शायद ही कभी प्रदेश में अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ व्यापक स्तर पर अभियान चलाया है। यह दीगर है कि बड़ा हादसा होने पर कुछ दिनों तक शराब माफियाओं के खिलाफ अभियान चलाकर खानापूर्ति जरूर की जाती है। यही वजह है कि जहरीली शराब से होने वाली मौतों की संख्या में इजाफा हो रहा है। यह स्थिति तब है जब इलाहाबाद हाईकोर्ट ने साफ तौर पर कहा है कि जहरीली शराब पीने से मौत की जिम्मेदारी राज्य सरकार की है लेकिन न तो सरकार न ही अधिकारियों पर इसका कोई असर दिख रहा है। यदि सरकार शराब से होने वाली मौतों पर नियंत्रण लगाना चाहती है तो उसे न केवल संबंधित विभाग को जवाबदेह बनाना होगा बल्कि यहां फैले भ्रष्टाचार को खत्म करना होगा। साथ ही शराब माफियाओं पर भी शिकंजा कसना होगा।

उत्तर प्रदेश में जहरीली और मिलावटी शराब से होने वाली मौतों के बढ़ते मामले गंभीर चिंता का विषय हैं। इस मामले में एनसीआरबी की ताजा रिपोर्ट चौंकाने वाली है। इसके मुताबिक शराब से होने वाली मौतों के मामले में यूपी देश में पहले नंबर पर है। पिछले साल यहां 137 लोगों की मौत जहरीली शराब से हुई जबकि देश में शराब से मरने वालों की कुल संख्या 782 दर्ज की गयी है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

अनैतिक राजनीति की तलाशिए माकूल दवा

विश्वनाथ सचदेव

यह किस्सा पचपन साल पहले का है। हरियाणा के एक विधायक गया लाल ने पंद्रह दिन में तीन बार दल बदल कर देश की राजनीति को एक नया 'खेल' दे दिया था। गया लाल ने निर्दलीय के रूप में चुनाव जीता था। जीतने के तत्काल बाद कांग्रेस में शामिल हो गये। फिर संयुक्त मोर्चे में गये, फिर कांग्रेस में लौट आये और फिर उसी दिन संयुक्त मोर्चे में शामिल हो गये। यह सब पंद्रह दिन की अवधि में हुआ था। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता यशवंत राव चव्हाण ने गयालाल के इस करतब को 'आयाराम-गयाराम' नाम दे दिया और इसके साथ ही देश की राजनीति को एक नया मुहावरा मिल गया।

गयालाल की इस कलाबाजी को तब एक परिहास के रूप में देखा गया था और उसके बाद इसे घटिया राजनीति का उदाहरण भी माना गया। दल-बदल की घटनाएं इसके बाद होती रहीं पर ऐसे दल-बदलुओं को इज्जत की निगाह से नहीं देखा जाता था। सच तो यह है कि सत्तर-अस्सी के दशक में ही दल-बदल की इस प्रक्रिया को राजनीति के एक कलंक के रूप में देखा जाने लगा था पर हकीकत यह है कि मोटी चमड़ी वाले हमारे राजनेताओं पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। दल-बदल करके राजनीतिक लाभ उठाने का खेल चलता रहा। इसके दुष्परिणामों को देखते हुए इस पर नकेल कसने की कोशिश भी हुई। 1985 में, राजीव गांधी के कार्य-काल में दल-बदल विरोधी कानून बना। इसके अनुसार सांसदों-विधायकों द्वारा राजनीतिक लाभ और पद के लालच में दल-बदल करना एक अपराध माना गया। इसमें उन्हें पद के अयोग्य घोषित करने का प्रावधान भी था। पर मर्ज बढ़ता ही गया, ज्यों-ज्यों दवा की। दल-बदल अब ऐसा हो गया जैसे एक कमरे से दूसरे कमरे में जाना। दल-बदल कानून के प्रावधानों को धता बताना नेताओं के बायें हाथ का खेल बना हुआ है। इसी कलाबाजी का परिणाम है कि हमारे यहां रातोंरात सरकारें बदल जाती हैं। महाराष्ट्र में सत्ता-पलट इसका हाल का उदाहरण है। मध्यप्रदेश, गोवा, उत्तर पूर्व के राज्यों में भी ऐसा ही खेल खेला गया पर क्या सचमुच यह एक खेल-मात्र है? अपराध है यह। और हमारा दुर्भाग्य है कि इस अपराध की कोई माकूल दवा भी नहीं दिख रही। ऐसी ही बेशर्मी का ताजा उदाहरण गोवा में देखने को मिला है। वैसे, गोवा में भाजपा की सरकार है और जरूरी बहुमत भी उसके पास है। फिर भी, अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए भाजपा ने कांग्रेस के आठ विधायकों को अपने साथ मिला लिया है। मजे की बात यह है कि चुनाव

से पहले कांग्रेस पार्टी ने अपने इन विधायकों को मंदिर-मस्जिद और गिरजाघर में ले जाकर यह शपथ भी दिलवायी थी कि वे चुनाव जीतकर दल-बदल नहीं करेंगे।

राजनीति के बाजार में ऐसे दल-बदलुओं की कीमत दस-बीस करोड़ रुपये लगाये जाने की बात खुलेआम होती रही है। यह कीमत हमेशा रुपयों में ही नहीं लगती, कभी दल-बदल करने वालों को पद का लालच दिया जाता है और कभी उन्हें यह आश्वासन मिल जाता है कि दल-बदल की वैतरणी पार करने से उनके सारे पाप धुल जाएंगे। पाप धुलने की इसी प्रक्रिया का परिणाम है यह कि दल-बदलुओं पर लग रहे भ्रष्टाचार के आरोप तत्काल कहीं ठंडे बस्ते में पहुंच जाते हैं। यह लाभ किसी भी और लाभ से कम तो नहीं है! दल-बदल एक राजनीतिक अनैतिकता है। उम्मीद की गयी थी कि 1985 में बना दल-बदल कानून और बाद में इसमें किये गये संशोधन, इस अनैतिकता को दूर करने में मददगार होंगे। पर स्थिति कहीं भी सुधरती नजर नहीं आ रही। पहले एक 'आयाराम-गयाराम' होता था, अब अनेक हो गये हैं। भाजपा ने कांग्रेस-मुक्त भारत का नारा दिया था पर अब लगता है वह विपक्ष-विहीन जनतंत्र का सपना देख रही है। दल-बदल उसे इस सपने को पूरा करने का माध्यम लग रहा है। जनतंत्र और जनतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का तकाजा है कि राजनीति को दल-बदल की बीमारी से बचाया जाये। पर कैसे? पहला तरीका कानून में उचित परिवर्तन करने का है। वर्तमान कानून, शायद, पर्याप्त नहीं है। कोई तरीका निकालना ही होगा कि दल-बदल करने और कराने वाले पर शिकंजा कसा जा सके। पर कानून तो संसद बनाती है। हमारे सांसद कैसे समझेंगे कि जिस संविधान की रक्षा की शपथ वे लेते हैं, वह जनतांत्रिक मूल्यों-आदर्शों की रक्षा के लिए बना है। यह तभी संभव है जब समाज, यानी नागरिक, यह तय कर ले कि वह राजनीति के इस पाप को पलने नहीं देगा। यह मतदाता को तय करना है कि वह सिद्धांत-विहीन राजनीति करने वालों को विधानसभा या संसद में नहीं भेजेगा- नहीं जाने देगा। पद या किसी अन्य लालच से दल-बदल करने वाला समाज में इज्जत न पाये, यह देखना मतदाता का काम है। कानून अपनी सीमाओं में काम करेगा। जागरूक नागरिक का काम है कि वह जनता का सेवक कहलाने वालों को उनकी वास्तविकता से परिचित कराता रहे। शर्म उनको तभी आयेगी।

जरूरी है राष्ट्रीय लॉजिस्टिक नीति

प्रीतम बनर्जी

पहली बार देश में राष्ट्रीय लॉजिस्टिक नीति लायी गयी है। एक साल पहले प्रधानमंत्री गति शक्ति योजना शुरू की गयी थी। सड़क, रेल, जलमार्ग आदि जो इंफ्रास्ट्रक्चर हैं, वे अलग-अलग मंत्रालयों के अधीन हैं, उनके बीच में सहकार बढ़ाना इस योजना का मुख्य फोकस है। वह योजना फिजिकल इंफ्रास्ट्रक्च र के लिए है। लॉजिस्टिक पॉलिसी गति शक्ति योजना का अनुपूरक है क्योंकि विकास के लिए विभिन्न नीतियों, नियमों, केंद्र व राज्य सरकारों की इंसेंटिव योजनाओं आदि तथा डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के बीच में तालमेल और सुगमता भी जरूरी है।

लॉजिस्टिक पॉलिसी के तहत एक डिजिटल संरचना विकसित की जा रही है, जिसे यूलिप- यूनिफाइड लॉजिस्टिक इंटरफेस पोर्टल- का नाम दिया गया है। इसमें लॉजिस्टिक से संबंधित सरकारों के विभिन्न विभागों के बीच में सामंजस्य स्थापित किया जाना है। जिस प्रकार डिजिटल भुगतान के लिए यूपीआई संरचना है, उसी तरह यह यूलिप भी काम करेगा। इसके तहत स्टार्टअप कंपनियां अलग-अलग एप बना सकती हैं, जिनका इस्तेमाल लॉजिस्टिक उद्योग की कंपनियां या कार्यरत लोग कर सकते हैं। अभी तक यह हो रहा था कि यूनिफाइड प्रक्रिया नहीं होने से केवल बड़ी लॉजिस्टिक कंपनियां ही कुछ जरूरी सुविधाएं व सेवाएं मुहैया कराती थीं। जैसे अगर आपको ट्रक की आवाजाही के बारे में पता लगाना हो तो इस सेवा के लिए आपको बहुत अधिक मूल्य चुकाना होता था। यूलिप बनने से यह होगा कि कोई कंपनी इस सुविधा का इस्तेमाल कर सामान्य ट्रक कारोबारियों और वेयरहाउसों को भी मामूली शुल्क पर इस तरह की सेवाएं आसानी से दे सकती है। यूलिप में वाहनों की स्थिति, आयात-निर्यात से जुड़े दस्तावेजों की जानकारी जैसी कई सुविधाएं सस्ते में उपलब्ध हो सकेंगी। इसके कई लाभ होंगे। मान लें कि कोई ट्रक सामान लेकर कहीं जा रहा है तो वह यूलिप के जरिये यह पता लगा सकेगा कि वापसी में भी उसे ढुलाई मिल सकती है या नहीं। पांच-दस ट्रक रखने वाली कंपनी भी अपने ग्राहक को यह सुविधा दे सकेगी कि वह जान सके कि उसका सामान कहां तक पहुंचा है। इस तरह छोटे कारोबारी भी बड़ी कंपनियों के साथ बेहतर प्रतिस्पर्धा कर सकेंगे। साथ ही, क्षमता में भी वृद्धि होगी। अक्सर यह पता नहीं चल पाता है कि खाली कंटेनर कहां उपलब्ध है। महामारी के दौर में यह समस्या बहुत गंभीर हो गयी थी। कुछ शिपिंग कंपनियां कंटेनर की कमी का फायदा उठाकर मुनाफा कमाने में लगी थीं। यूलिप प्रणाली में सभी कंटेनरों की स्थिति दर्ज रहेगी। खाली कंटेनर किस यार्ड में हैं, यह भी जाना जा सकेगा। राज्य सरकारों के साथ तालमेल बेहतर करने के लिए राष्ट्रीय लॉजिस्टिक पॉलिसी में यह प्रावधान किया गया है कि राज्य स्तर पर भी एक समिति होगी जो जिला स्तर तक संबंधित गतिविधियों को देखेगी। लॉजिस्टिक के मामले में राज्यों की प्रमुख भूमिका होती है। दो अहम लॉजिस्टिक गतिविधियों, सड़क यातायात ट्रैकिंग और वेयरहाउसिंग के सारे नियम लागू करने की जिम्मेदारी राज्य सरकार की होती है। पॉलिसी के प्रावधानों और दिशा-निर्देशों को लागू करना या नहीं करना राज्य सरकारों के ऊपर है क्योंकि इन्हें अनिवार्य नहीं बनाया गया है।

इस नीति में एक सूचकांक की व्यवस्था भी है, जिसके तहत लॉजिस्टिक सुविधाओं व सेवाओं के आधार पर राज्य सरकारों की रैंकिंग की जायेगी। इस तरह मानकों का निर्धारण कर तथा उत्साहवर्धन का उपाय किया है कि अगर आप इन्हें लागू करेंगे, तो आपकी रैंकिंग अच्छी होगी, जिससे आपके यहां निवेश और कारोबार बढ़ाने में मदद मिलेगी। केंद्र और राज्य के बीच सहकार व सामंजस्य के लिए भी व्यवस्था की गयी है। इस नीति को चार सालों की मेहनत के बाद तैयार किया गया है और इस प्रक्रिया में लॉजिस्टिक सेक्टर में सक्रिय तमाम लोगों से चर्चा की गयी है। देश की संघीय व्यवस्था को मद्देनजर रखते हुए बेहतर उपायों को इस नीति में शामिल किया गया है। जैसे-जैसे यह नीति लागू होती जायेगी और जो अनुभव सामने आयेंगे, उनके आधार पर बाद में जरूरी बदलाव भी किये जा सकेंगे। यह नीति सफल तभी होगी, जब राज्य सरकारें उत्साह के साथ इसके प्रावधानों को अपनायेंगी। नीति में जो सुझाव और निर्देश दिये गये हैं, उन्हें लागू करना राज्यों पर निर्भर होगा। यूलिप बहुत ही ताकतवर माध्यम है। जिस प्रकार यूपीआई ने डिजिटल लेन-देन से भुगतान की पूरी व्यवस्था को बदल दिया है, वही संभावना यूलिप में है। आज छोटे दुकानदार से लेकर आम आदमी तक यूपीआई का इस्तेमाल कर रहा है। यूलिप के तहत लॉजिस्टिक में भुगतान, दस्तावेज, सूचना तथा सरकारी विभागों के इंटरफेस जैसी तमाम सुविधाओं और सेवाओं को आसानी से पाया जा सकेगा। कुछ समय बाद हम देखेंगे कि लॉजिस्टिक के क्षेत्र में कार्यरत छोटे कारोबारी और कामगार, जैसे- ट्रक चालक, टेम्पो ड्राइवर, वेयरहाउस ऑपरेटर आदि भी इसका फायदा उठायेंगे। देश में अलग-अलग हिस्सों में अर्थव्यवस्था का विस्तार है. ऐसे में अगर हम वस्तुओं को ग्राहकों तक पहुंचाना चाहते हैं, जो अर्थव्यवस्था के विकास के लिए अनिवार्य शर्त है, तो हमें पूरे देश को जोड़ना होगा। इसके लिए इंफ्रास्ट्रक्चर और लॉजिस्टिक का विस्तार बहुत जरूरी है।

सर्वपितृ अमावस्या

इस विधि से करें पितरों का श्राद्ध

हिंदू धर्म में पितृपक्ष का विशेष महत्व होता है और इस दौरान तिथि के अनुसार पितरों का श्राद्ध किया जाता है. पितृपक्ष का अंतिम दिन बेहद ही खास होता है और इसे सर्वपितृ अमावस्या के नाम से जाना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यदि आप तिथि के अनुसार पिंडदान कर पाएं तो सर्वपितृ अमावस्या के दिन विधि-विधान के साथ श्राद्ध कर्म अवश्य करें। इससे पितर प्रसन्न होकर अपना आशीर्वाद देते हैं। आइए जानते हैं कब है सर्वपितृ अमावस्या और उस दिन श्राद्ध करने की विधि।

25
सितंबर को सुबह 3 बजकर 12 मिनट पर शुरू होगी और 26 सितंबर को 3 बजकर 23 मिनट पर समाप्त होगी

कब है सर्वपितृ अमावस्या

हिंदू पंचांग के अनुसार आश्विन माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि के दिन पितृपक्ष का आखिरी दिन होता है और इसे सर्वपितृ अमावस्या कहा जाता है। इस साल पितृपक्ष की अमावस्या तिथि 25 सितंबर को सुबह 3 बजकर 12 मिनट पर शुरू होगी और 26 सितंबर को 3 बजकर 23 मिनट पर समाप्त होगी। श्राद्ध कर्म 25 सितंबर को किया जाएगा।

सर्वपितृ अमावस्या का महत्व

हिंदू धर्म में सर्वपितृ अमावस्या का विशेष महत्व है और इसे पितृ विसर्जनी अमावस्या भी कहा जाता है। यह पितृपक्ष का आखिरी दिन होता है। यदि आपको अपने पूर्वजों की मृत्यु तिथि नहीं पता या किसी कारणवश व तिथि के दिन श्राद्ध नहीं कर पाए तो सर्वपितृ अमावस्या के दिन श्राद्ध जरूर करें। इस दिन पिंडदान और तर्पण करने के साथ ही ब्राह्मण को भोजन भी करवाना चाहिए।

ऐसे करें श्राद्ध

सर्वपितृ अमावस्या यानि पितृ विसर्जन अमावस्या के दिन किसी पवित्र नदी में स्नान करना शुभ माना गया है। यदि नदी में स्नान करना संभव न हो तो पानी में थो?ा गंगाजल मिलाकर स्नान करें। स्नान के बाद सफेद रंग के वस्त्र धारण करें और दक्षिण दिशा में मुंह करके बैठे। इसके बाद ब्राह्मण द्वारा बताई गई विधि के अनुसार पिंडदान करें। पिंडदान के लिए किसी तांबे के बर्तन में गंगाजल व स्वच्छ जल रखें। जल में काले तिल, थो?ा सा कच्च दूध और कुशा डाल दें। इसके बाद मंत्रोच्चारण के साथ तर्पण की प्रक्रिया शुरू करें। इसके बाद ब्राह्मण को भोजन कराएं। ध्यान रखें कि भोजन बनाने के बाद सबसे पहले उसमें से 5 हिस्से अलग कर दें। इसमें देवता, गाय, कुत्ता, कौवा और चीटियां शामिल हैं। ब्राह्मण को भोजन कराने के बाद अपनी सामर्थ्य के अनुसार दक्षिणा दें। ऐसा करने से पितर प्रसन्न होकर वापस जाते हैं।

हंसना मना है

पापा- तू दो दिन से सुबह-सुबह छत पर क्यों जा रहा है? बेटा- पापा वो मैं टाटा स्काई सेट कर रहा था। पापा- सेट हुई? बेटा- नहीं हुई अभी तक। टाइम लगेगा। पापा- शेविंग करवा और हैंडसम बन। हो जाएगी सेट।

टोनी- कार की स्पीड क्यों बढ़ा दी? गोली- ब्रेक फेल हो गए हैं। इससे पहले कि एक्सीडेंट हो जाए, घर पहुंच जाते हैं।

साइकिल वाले ने एक आदमी को टक्कर मार दी और बोला भाईसाहब आप बहुत किस्मत वाले हो। आदमी - एक तो तूने मुझे टक्कर मारी और ऊपर से मुझे किस्मत वाला कह रहे हो ? साइकिल वाला - आज छुट्टी है तो साइकिल चला रहा हूं। नहीं तो मैं ट्रक चलाता हूं।

मोन्टू- तुम्हारी आंख क्यों सूजी हुई है? बन्टू- कल मैं अपनी पत्नी के जन्मदिन पर केक लेकर गया था मोन्टू- लेकिन इसका आंख सूजने से क्या संबंध है? बन्टू- मेरी पत्नी का नाम तपस्या है लेकिन cake वाले बेवकूफ दुकानदार ने लिख दिया Happy Birthday समस्या।

चोलू - परीक्षा खत्म होते ही जिम ज्वॉइन कर लूंगा। टोलू - क्यों? चोलू - रिजल्ट आने तक मार झेलने लायक तो बॉडी बन ही जाएगी।

कहानी | मौत की सजा

बीजापुर के सुल्तान इस्माइल आदिलशाह को डर था कि राजा कृष्णदेव राय अपने प्रदेश रायचूर और मदकल को वापस लेने के लिए हम पर हमला करेंगे। उसने सुन रखा था कि वैसे राजा ने अपनी वीरता से कोडीवडु, कोंडपल्ली, उदयगिरि, श्रीरंगपत्तिनम, उमत्तूर और शिवसमुद्रम को जीत लिया था। सुलतान ने सोचा कि इन दो नगरों को बचाने का एक ही उपाय है कि राजा कृष्णदेव राय की हत्या करवा दी जाए। उसने बड़े इनाम का लालच देकर तेनालीराम के पुराने सहपाठी और उसके मामा के संबंधी कनकराजू को इस काम के लिए राजी कर लिया। कनकराजू तेनालीराम के घर पहुंचा। तेनालीराम ने अपने मित्र का खुले दिल से स्वागत किया। उसकी खूब आवभगत की और अपने घर में उसे ठहराया। एक दिन जब तेनालीराम काम से कहीं बाहर गया हुआ था, कनकराजू ने राजा को तेनालीराम की तरफ से संदेश भेजा- 'आप इसी समय मेरे घर आएं तो आपको ऐसी अनोखी बात दिखाऊं, जो आपने जीवनभर न देखी हो। राजा बिना किसी हथियार के तेनालीराम के घर पहुंचे। अचानक कनकराजू ने छुरे से उन पर वार कर दिया। इससे पहले कि छुरे का वार राजा को लगता, उन्होंने कसकर उसकी कलाई पकड़ ली। उसी समय राजा के अंगरक्षकों के सरदार ने कनकराजू को पकड़ लिया और वहीं उसे ढेर कर दिया। कानून के अनुसार, राजा को मारने की कोशिश करने वाले को जो व्यक्ति आश्रय देता था, उसे मृत्युदंड दिया जाता था। तेनालीराम को भी मृत्युदंड सुनाया गया। उसने राजा से दया की प्रार्थना की। राजा ने कहा, 'मैं राज्य के नियम के विरुद्ध जाकर तुम्हें क्षमा नहीं कर सकता। तुमने उस दुष्ट को अपने यहां आश्रय दिया। तुम कैसे मुझसे क्षमा की आशा कर सकते हो? हां, यह हो सकता है कि तुम स्वयं फैसला कर लो, तुम्हें किस प्रकार की मृत्यु चाहिए?' 'मुझे बुढ़ापे की मृत्यु चाहिए, महाराज।' तेनालीराम ने कहा। सभी आश्चर्यचकित थे। राजा हंसकर बोले, 'इस बार भी बच निकले तेनालीराम।'

10 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

अगर आप पिछले कुछ वक्त से झुंझलाहट महसस कर रहें हैं तो आपको याद रखना चाहिए कि सही कर्म और विचार आज आपके लिए बहुप्रतीक्षित राहत लेकर आएंगे।

वृषभ

आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आपको किसी रिश्तेदार से कोई बड़ी खुशखबरी मिल सकती है, जिससे परिवार का माहौल अच्छा रहेगा।

मिथुन

आज आर्थिक मामलों में जोखिम न उठाएं। शत्रु पक्ष प्रभावी रहेगा। नौकरी और व्यवसाय में सहयोग से सफलता प्राप्त करेंगे। मन को शांत तथा प्रसन्न रखें।

कर्क

सबकी मदद करने की आपकी इच्छा आपको आज बुरी तरह थकाएगी। खर्चों पर काबू रखने की कोशिश करें । दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ मौज-मस्ती करें।

सिंह

दिन व्यस्तता से भरा रहेगा। किसी समारोह में जाने का योग बन सकता है। परेशानी बढ़ सकती हैं। आप गैर जरूरी कामों की ओर पहले आकर्षित हो सकते हैं।

कन्या

सौदों में सफलता मिलेगी। जरूरी कार्यों को करें। माता का सानिध्य प्राप्त होगा। वस्त्रों आदि पर खर्चों में वृद्धि हो सकती है। सफर के लिए दिन ज्यादा अच्छा नहीं है।

तुला

हर निवेश को सावधानीपूर्वक अंजाम दें और गैर-जरूरी नुकसान से बचने के लिए उचित सलाह लेने में न हिचकिचाएं। घरेलू कामकाज आपको ज्यादातर वक्त व्यस्त रखेंगे।

वृश्चिक

आर्थिक फायदा होने के योग बन रहे हैं। कहीं से अचानक धन लाभ हो सकता है। आज आप पर कई तरह की जिम्मेदारियां आ सकती हैं, जिन्हें आप सहयोग से निपटाने की कोशिश करेंगे।

धनु

आज मानसिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे। बेहतर यही होगा कि आप जिनके साथ रहते हैं उनके साथ विवादों में पड़ने की बजाय विवादों से दूर ही रहें।

मकर

कुछ खरीदने से पहले उन चीजों का इस्तेमाल करें, जो पहले से आपके पास हैं। दफ्तर के तनाव को घर में न लाएँ। इससे आपके परिवार की खुशी खत्म हो सकती है।

कुम्भ

रूके हुए काम मित्र की मदद से पूरे होंगे। माता-पिता के साथ धार्मिक स्थल पर जायेंगे। वहां किसी अपने से आपकी मुलाकात होगी। ऑफिस में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए आपकी तारीफ होगी।

मीन

आज जोखिम उठाने की कोशिश न करें। आज आप किसी को अपनी तरफ से नाराज न करें। किसी प्रकार की विपरीत घटना घटित हो सकती है। नया अंदाज लोगों में दिलचस्पी पैदा करेगा।

आर्यन को पसंद करती हैं अनन्या

बॉलीवुड | मसाला

कॉफी विद करण 7 के 12वें एपिसोड में भावना पांडे, महीप कपूर और गौरी खान ने काफी इंट्रेस्टिंग बातें कीं। बातचीत के दौरान करण जौहर ने बताया कि अनन्या पांडे एक टाइम पर दो लड़कों को डेट कर रही थीं। यह बात सुनकर उनकी मां भावना चौंक गईं। हालांकि उन्होंने अपनी बेटी का साइड लेनी की कोशिश की।

बता दें कि कुछ वक्त पहले ही अनन्या पांडे का ईशान खट्टर से ब्रेकअप हुआ है। वह और ईशान दोनों अलग-अलग करण जौहर के शो पर आ चुके हैं। कॉफी विद करण के रैपिड फायर राउंड से सिलेब्स काफी घबराते हैं। क्योंकि इसमें पूछे गए सवाल कॉन्ट्रोवर्शियल होते हैं और जवाब भी वैसे ही निकलकर आते हैं। करण ने गौरी से पूछा कि वह अपनी बेटी सुहाना को क्या डेटिंग अडवाइस देना चाहेंगी? इस पर गौरी ने जवाब दिया, एक वक्त पर दो लड़कों को डेट मत करो। इस पर करण ने कहा कि अच्छी अडवाइस है। गौरी ने यह भी बताया कि वह अपने बेटे आर्यन को बोलती हैं कि जब तक शादी नहीं हो रही, वह जितनी चाहे लड़कियों को डेट कर सकता है। लेकिन शादी के बाद फुलस्टॉप। इस पर भावना की ओर देखकर करण बोलते हैं, मुझे लगता है कि अनन्या ऐसा कर चुकी है। इस पर हैरान होकर भावना बोलती हैं, उसने ऐसा किया? इस पर करण जवाब देते हैं, हां मुझे लगता है कि वह दो लोगों के बीच कन्फ्यूज्ड थी। इस पर भावना बोलीं, नहीं वह दो लोगों के बारे में सोच रही थी तो एक से ब्रेकअप कर लिया। अनन्या पांडे जब कॉफी विद करण में आई थीं तो उनके साथ विजय देवरकोंडा थे।

बॉलीवुड | मन की बात

बेटे आर्यन की गिरफ्तारी पर गौरी खान ने तोड़ी चुप्पी

गौरी खान हाल ही में 17 साल बाद करण जौहर के चैट शो कॉफी विद करण में नजर आई हैं। गौरी शो में अपनी बेस्ट फ्रेंड्स भावना पांडे और महीप कपूर के साथ पहुंचीं। इस दौरान गौरी ने ड्रग केस में बेटे आर्यन खान की गिरफ्तारी पर पहली बार चुप्पी तोड़ी है। गौरी ने बताया कि यह उनकी फैमिली के लिए बहुत मुश्किल समय रहा है। साथ ही उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने उनकी मदद की है, वो उनकी शुक्रगुजार हैं। चैट शो में करण ने गौरी से केस के बारे में इंडायरेक्टली बात करते हुए पूछा कि यह आर्यन के लिए बहुत ही मुश्किल रहा होगा और आप सब मजबूती से एक साथ खड़े रहे। एक मां के रूप में मैं तुम्हें समझ सकता हूं। हम सब एक ही फैमिली के मेंबर्स हैं और मैं भी उसी परिवार का एक सदस्य हूं। यह बिल्कुल आसान नहीं रहा होगा और गौरी आप पहले से कहीं ज्यादा मजबूत होकर उभरी हैं। आपका क्या कहना है ऐसे मुश्किल सिचुएशन को संभालने को लेकर जब परिवार पर मुसीबत आती है? इसके बाद गौरी पहली बार आर्यन खान की गिरफ्तारी पर बोलीं कि हम जिस दौर से गुजरे हैं, उससे बुरा कुछ नहीं हो सकता है। लेकिन हम फैमिली के रूप में एक अच्छे स्पेस में हैं। सब हमें प्यार कर रहे हैं। हमारे सारे दोस्त और जिन लोगों को हम जानते भी नहीं, उन्होंने भी हमारा साथ दिया है। इतने सारे प्यार और मैसेजेस के लिए मैं खुद को ब्लेस्ड फील करती हूं। जिन लोगों ने हमारी मदद की है, मैं उन सभी की हमेशा शुक्रगुजार रहूंगी। बता दें कि आर्यन को नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने अक्टूबर 2021 में मुंबई कोस्ट पर एक क्रूज शिप से ड्रग्स के सेवन करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। आर्यन को 26 दिन की पुलिस कस्टडी में रखा गया, इस दौरान उन्हें आर्थर रोड जेल भी भेजा गया था। आर्यन के खिलाफ पुख्ता सबूत न मिलने के कारण उन्हें 28 अक्टूबर को बेल पर रिहा कर दिया गया।

राजू की बेटी अंतरा ने 12 साल की उम्र में बचाई थी मां की जान

कॉमेडियन राजू श्रीवास्तव का 21 सितंबर की सुबह निधन हो गया। दिल्ली के एम्स हॉस्पिटल में उन्होंने आखिरी सांस ली। राजू के परिवार में उनकी पत्नी शिखा श्रीवास्तव, बेटी अंतरा और बेटा आयुष्मान हैं। तीनों के लिए यह बेहद मुश्किल वक्त है। इस बीच राजू की बेटी अंतरा श्रीवास्तव की चर्चा हो रही है। बहुत कम लोग यह जानते हैं कि अंतरा को उनकी बहादुरी के साल 2006 में राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। जब वो महज 12 साल की थीं। अंतरा श्रीवास्तव दिवंगत हास्य कलाकार राजू श्रीवास्तव की बेटी हैं। उनका जन्म 20 जुलाई 1994 में लखनऊ में हुआ था। अंतरा पेशे से एक फिल्म डायरेक्टर और एक्टर हैं। वो वोडका डायरीज फिल्म में बतौर एक्टर भी नजर आ चुकी हैं। इसके अलावा अंतरा ने कई फिल्मों में बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर भी काम किया है। अंतरा के अलावा राजू और शिखा का बेटा भी है, जिसका नाम आयुष्मान है। वो एक सितार वादक है। अंतरा को उनकी बहादुरी के लिए अंतरा को साल 2006 राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार दिया गया। भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम ने अंतरा को सम्मानित किया। अंतरा बताती हैं कि उस घटना ने उन्हें 10 मिनट में पूरी तरह बदल दिया। बीते दिनों राजू श्रीवास्तव के निधन की अफवाह फैल रही थी। इससे परेशान होकर उनकी बेटी अंतरा ने सोशल मीडिया पर एक इमोशनल लेटर लिखा था- लेटर में उन्होंने लिखा था कि लोग मेरे पिता के निधन की अफवाह फैला रहे हैं, इससे मेरे परिवार के सदस्यों को परेशानी हो रही है। बहादुरी के लिए गैलेंटरी अवॉर्ड से सम्मानित किया जा चुका है। दरअसल जब अंतरा 12 साल की थीं, तब उनके घर में चोर घुस आए थे। चोरों ने अंतरा की मां शिखा श्रीवास्तव पर बंदूक तान दी थी। उस समय अंतरा और उनकी मां ही घर में मौजूद थीं। तब अंतरा ने अपने कमरे की खिड़की से बिल्डिंग के चौकीदार को भी आवाज दी। साथ ही चोरों से बचकर उन्होंने राजू को कॉल लगाई और पुलिस को घटना की सूचना दी। सूचना पाते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर चोरों को गिरफ्तार कर लिया। बेहद कम उम्र में चोरों का सामना करने

इसे माना जाता है रहस्यमयी किला जिसमें गायब हो गई थी पूरी बारात

हमारे देश में ऐसे तमाम किले आज भी मौजूद हैं जिन्हें रहस्यमयी किलों के रूप में जाना जाता है। इन्ही में से एक किला है गढ़कुंड़ार का किला। इस किले को देश के सबसे रहस्यमयी किले के नाम से जाना जाता है। गढ़कुंडार का किला का किला उत्तर प्रदेश के झांसी शहर से करीब 70 किलोमीटर की दूरी स्थित है।

इस किले को 11वीं सदी में बनाया गया था। ये किला पांच मंजिला है। जिसकी तीन मंजिल ऊपर और दो मंजिल जमीन के अंदर हैं। इस किले को कब बनाया गया और किसने बनाया इस बारे में कोई जानकारी नहीं मिलती। लेकिन इस किले को 1500 से 2000 साल पुराना माना जाता है। सुरक्षा की दृष्टि से बना ये किला लोगों को भ्रमित कर देता है। इस किले को ऐसे बनाया गया है कि यह चार-पांच किलोमीटर दूर से तो साख दिखता है, लेकिन नजदीक आते-आते यह दिखना बंद हो जाता है। जिस रास्ते से किला दूर से दिखता है, अगर उसी रास्ते से आप आएंगे तो रास्ता किले की बजाय कहीं और ही चला जाता है, जबकि किले के लिए दूसरा रास्ता है। इस किले की गिनती देश के सबसे रहस्यमयी किलों में होती है। स्थानीय लोग बताते हैं कि काफी समय पहले यहां पास के ही गांव में एक बारात आई थी। बाराती किले में घूमने चले गए। घूमते-घूमते वो लोग बेसमेंट में चले गए, जिसके बाद वो रहस्यमयी तरीके से अचानक गायब हो गए। बारात में शामिल उन 50-60 लोगों का आज तक कोई पता नहीं चला। इसके बाद भी कुछ इस तरह की घटनाएं हुईं, जिसके बाद किले के नीचे जाने वाले सभी दरवाजों को बंद कर दिया गया। गढ़कुंडार का किला किसी भूल-भुलैया की तरह है। इस किले में जाने वाले लोग अक्सर भटक जाते हैं। इस किले में दिन में भी अंधेरा रहता है इसलिए लोग दिन में भी जाने से कतराते हैं। ऐसा माना जाता है कि इस किले में एक खजाने का रहस्य छिपा हुआ है, जिसे तलाशने की चक्कर में कई लोगों की जान जा चुकी है। जानकार बताते हैं कि यहां के राजाओं के पास सोने-हीरे, जवाहरातों की कोई कमी नहीं थी। जो आज भी इस किले में दबा हुआ है लेकिन इसकी खोज आज तक कोई नहीं कर सका।

अजब-गजब | जानिए इसके पीछे की रोचक कहानी

भारत के इस मंदिर में होती है एक वफादार कुत्ते की पूजा, मिला है देवता का दर्जा

भारतीय समाज में सिर्फ देवताओं की ही पूजा नहीं होती, बल्कि समाज के लिए आदर्श पेश करने वाले बेजुवान जानवरों की भी समाधि और मंदिर बनाकर पूजा होती है। इसका उदाहरण है छत्तीसगढ़ के बालोद जिले के खपरी में स्थित कुकुरदेव मंदिर। यहां एक स्वामीभक्त कुत्ते की याद में समाधि और मंदिर बनाया गया है जिसने अंतिम सांस तक अपने मालिक के प्रति वफादारी निभाई। इस मंदिर पर जाकर श्रद्धालु अपनी सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हैं।

छत्तीसगढ़ में एक बेजुबान जानवर को उसकी वफादारी के लिए देवता का दर्जा मिला है और प्रदेश के मुखिया खुद इस गहरी लोक परम्परा के सम्मान में सिर नवाते हैं। इसी की बानगी तब देखने को मिली जब मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपने बालोद जिले के भेंट मुलाकात कार्यक्रम के दौरान खपरी स्थित कुकुरदेव मन्दिर में पूजा अर्चना की। यह कुकुरदेव मन्दिर आस्था और आश्चर्य का अद्भुत संगम है, मानव-पशु प्रेम की अनोखी मिसाल पेश करता है। यहां एक स्वामीभक्त कुत्ते की समाधि है जो लोकमान्यता के अनुसार अपने मालिक के प्रति आखिरी सांस तक वफादार रहा। मुख्यमंत्री ने कुकुरदेव मन्दिर में पूजा अर्चना कर प्रदेश की सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

जनश्रुति के अनुसार खपरी कभी बंजारों की एक बस्ती थी जहां एक बंजारे के पास स्वामी भक्त कुत्ता था। कालांतर में क्षेत्र में एक भीषण अकाल पड़ा जिस वजह से बंजारे को अपना कुत्ता एक मालगुजार को गिरवी रखनी पड़ी। मालगुजार के घर एक दिन चोरी हुई और स्वामीभक्त कुत्ता चोरों द्वारा छुपाए धन के स्थल को पहचान कर मालगुजार को उसी स्थल तक ले गया। मालगुजार कुत्ते की वफादारी से प्रभावित हुआ और उसने कुत्ते के गले में उसकी वफादारी का वृतांत एक पत्र के रूप में बांधकर कुत्ते को मुक्त कर दिया। जनश्रुति के मुताबिक गले में पत्र बांधे यह कुत्ता जब अपने पुराने मालिक बंजारे के पास पहुंचा तो उसने यह समझ कर कि कुत्ता मालगुजार को छोड़कर यहां वापस आ गया क्रोधवश कुत्ते पर प्रहार किया, जिससे कुत्ते की मृत्यु हो गई। बाद में बंजारे को पत्र देखकर कुत्ते की स्वामी भक्ति और कर्तव्य परायणता का एहसास हुआ और वफादार कुत्ते की स्मृति में कुकुर देव मंदिर स्थल पर उसकी समाधि बनाई।

14वीं शताब्दी में बनवाया मंदिर

फणी नागवंशीय राजाओं द्वारा 14वीं शताब्दी में यहां मंदिर का निर्माण करवाया गया। इस स्थान पर आम लोग आकर पूजा अर्चना करते हैं और अपनी सुख-समृद्धि के साथ खुशहाली की कामना करते हैं। कुल मिलाकर देखें तो यह ऐसा स्थान है जहां वफादार कुत्ते की याद में बनी समाधि और मंदिर को देवालय का दर्जा हासिल है।

अशोक गहलोत का ऐलान, लड़ूंगा कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव

» जल्द बताएंगे नामांकन की तारीख, पार्टी जारी कर चुकी है अधिसूचना

» गांधी परिवार का कोई व्यक्ति नहीं बनेगा कांग्रेस अध्यक्ष का उम्मीदवार

» शशि थरूर से हो सकता है मुकाबला

» राहुल से मुलाकात के बाद साफ किया रुख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष पद को लेकर चल रही खींचतान के बीच राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राहुल गांधी यह साफ कर चुके हैं कि इस बार गांधी परिवार का कोई भी व्यक्ति पार्टी अध्यक्ष पद का उम्मीदवार नहीं बनेगा।

गहलोत ने कहा, मैंने राहुल गांधी से कहा जब कांग्रेस कमेटी ये प्रस्ताव पास कर रही है कि आपको अध्यक्ष बनना चाहिए तो आप उसे स्वीकार कीजिए। इस पर उनका कहना है कि हमने फैसला कर लिया कि इस बार कोई गांधी परिवार का व्यक्ति उम्मीदवार नहीं बनेगा। उन्होंने कहा, राहुल गांधी ने मुझे बताया कि मैं जानता हूं कि सब लोग मुझे कांग्रेस अध्यक्ष के तौर पर देखना चाहते हैं, लेकिन अब फैसला हो चुका है। मैं उन सभी लोगों का बहुत सम्मान करता हूं। गहलोत ने आगे कहा कि यह फैसला लिया गया है कि मैं चुनाव (कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए) लड़ूंगा। नॉमिनेशन की तारीख का मैं जल्द ही ऐलान करूंगा। उन्होंने कहा कि देश के मौजूदा हालात को देखते हुए विपक्ष को मजबूत होने की जरूरत है और उसके लिए हम कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए गुरुवार को अधिसूचना जारी हो गई। इससे एक दिन पहले ही राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सीनियर नेता शशि थरूर के चुनावी समर में उतरने के साफ संकेत मिल गए है। अब यह संभावना प्रबल हो गई है कि 22 साल बाद देश की सबसे पुरानी पार्टी का प्रमुख चुनाव के जरिए चुना जाएगा। 2000 में सोनिया गांधी और जितेंद्र प्रसाद के बीच मुकाबला हुआ था, जिसमें प्रसाद को करारी शिकस्त मिली थी। इससे पहले, 1997 में सीताराम केसरी, शरद पवार और राजेश पायलट के बीच अध्यक्ष पद को लेकर मुकाबला हुआ था, जिसमें केसरी जीते थे।

राज्यपाल फागू चौहान की तबीयत बिगड़ी, दिल्ली रेफर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के राज्यपाल फागू चौहान की तबीयत अचानक बिगड़ गई है। उन्हें गुरुवार देर रात पटना स्थित आईजीआईएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्हें बेहतर इलाज के लिए एयर एंबुलेंस के जरिए पटना से दिल्ली ले जाया जा रहा है। दिल्ली के एम्स में उनका इलाज हो सकता है।

फागू चौहान साल 2019 से बिहार के राज्यपाल हैं। 74 साल के चौहान मूल रूप से उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं। उनका जन्म 1948 में यूपी के आजमगढ़ में हुआ था। यूपी के 17वें विधानसभा चुनाव में वह सबसे ज्यादा मतों से जीतने वाले विधायक थे। घोसी विधान सभा सीट से वे रिकॉर्ड 6 बार विधायक रहे। फागू चौहान भाजपा के अलावा बसपा, लोक दल समेत अन्य पार्टियों में रह चुके हैं। वे पहली बार 1985 में विधायक बने थे। 1991 में उन्होंने जनता दल से चुनाव लड़ा और जीते। इसके बाद 1996, 2002 और 2007 में भी में भी विधायक बने।

देवीलाल की जयंती पर विपक्ष देगा एकजुटता का संदेश

» देश के 11 राज्यों के भाजपा विरोधी नेता पहुंचेंगे सम्मान दिवस रैली में

» नीतीश और लालू यादव दिल्ली में कर सकते हैं सोनिया से मुलाकात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। चौधरी देवीलाल की जयंती पर इनेलो की सम्मान रैली में विपक्षी दल एकता का संदेश देंगे। बिहार के सीएम नीतीश कुमार चौधरी देवीलाल की जयंती पर फतेहाबाद में 25 सितंबर को आयोजित इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) की 'सम्मान दिवस' रैली में शिरकत करेंगे। यहां देश के 11 राज्यों के भाजपा विरोधी नेता जुटेंगे। इसमें उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव भी पहुंचेंगे। नीतीश कुमार तथा लालू यादव कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से दिल्ली में मुलाकात करेंगे।

1989 में चौधरी देवीलाल ने अपने 75वें जन्मदिवस के अवसर पर पहली बार नई दिल्ली के वोट क्लब पर विपक्षी एकजुटता के लिए विशाल 'सम्मान दिवस' रैली का आयोजन किया था। इसके बाद इनेलो के तत्वावधान में हर साल सम्मान दिवस रैली का आयोजन होता आ रहा है। अब 33 साल बाद चौधरी अभय सिंह चौटाला फतेहाबाद की रैली में 11 राज्यों के विपक्षी दलों के बड़े नेताओं को एक मंच पर लाकर इतिहास दोहरा रहे हैं। फतेहाबाद की रैली में नीतीश कुमार, शरद यादव राज्यपाल सत्यपाल मलिक, शरद पवार, प्रकाश सिंह बादल, सुखबीर बादल, जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला व गुलाम नबी आजाद आदि शामिल होंगे। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव, शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल भी मंच पर दिखेंगे।

मुख्तार का शूटर रवि मुठभेड़ में गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ के अलीगंज थाना क्षेत्र में गुरुवार की रात एसटीएफ ने मुठभेड़ के दौरान माफिया मुख्तार अंसारी का खास शूटर और पत्रकार की हत्या करने के आरोपी रवि उर्फ दिग्विजय को गिरफ्तार किया है।

केंद्रीय विद्यालय के पास बदमाशों से एसटीएफ की मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ के दौरान पैर में गोली लगने से रवि घायल हो गया। उसे इलाज के लिए ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है। रवि गाजीपुर में हुई पत्रकार राजेश की हत्या में वांछित चल रहा था। एसटीएफ ने रवि के दो अन्य साथियों को भी धर दबोचा। रवि पर 25 हजार रुपये का इनाम था। एसटीएफ के डिप्टी एसपी धर्मेश कुमार शाही ने बताया कि शूटर रवि मूल रूप से गाजीपुर के करमंडा लोनेपुर का रहने वाला है। रवि के साथ उसके दो अन्य साथी उत्कर्ष यादव और उमेश भी थे। उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया गया है।

विधान सभा सत्र को मंजूरी न मिलने पर आप विधायकों ने दिया धरना

» कैबिनेट में 27 को विशेष सत्र बुलाने का फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब के राज्यपाल द्वारा विधान सभा के विशेष सत्र की मंजूरी देने के बाद उसे वापस लेने से राज्य की सियासत गरमा गई है। आम आदमी पार्टी ने इसको लेकर गुरुवार को पार्टी विधायकों की बैठक बुलाई। इसके बाद आप विधायकों ने राजभवन की ओर कूच किया। पुलिस ने उनको रास्ते में रोक दिया। इस पर विधायक सड़क पर धरना देकर बैठ गए। वहीं भगवंत मान सरकार ने पंजाब विधान सभा का विशेष सत्र अब 27 सितंबर को फिर बुलाने का फैसला किया है।

मुख्यमंत्री भगवंत ने कहा कि 27 सितंबर को सेशन बुलाया जा रहा है। कैबिनेट ने इसकी मंजूरी दे दी है। मान ने आरोप लगाया कि कांग्रेस भाजपा का आपरेशन लोटस में साथ दे रही है। उन्होंने पूरे मामले में सुप्रीम कोर्ट जाने की भी बात कही। मान ने कहा कि हम किसी तरह के गैर लोकतांत्रिक हरकतों से नहीं डरेंगे। पंजाब विधान सभा का सत्र बुलाकर पूरे देश को संदेश देंगे कि लोकतंत्र लोगों का है किसी एक व्यक्ति का नहीं। पंजाब कैबिनेट की बैठक हुई। इसमें सर्वसम्मति से फैसला किया गया कि 27 सितंबर को विधान सभा का सत्र बुलाया जाएगा। इस सत्र में बिजली, पराली जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी। भगवंत मान ने कहा कि राज्यपाल ने विधान सभा के विशेष सत्र को मंजूरी देने के बाद उसे रद किया। यह दुर्भाग्यपूर्ण है। इसके खिलाफ हम सुप्रीम कोर्ट जाएंगे ताकि लोगों के हकों की लड़ाई लड़ी जा सके।

रुपये में गिरावट से बिगड़ रही देश की आर्थिक सेहत

कीमतों में हो रहा इजाफा, विदेश में पढ़ाई करना हुआ महंगा, 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि रुपया अभी तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है। पिछली सरकारों में जब डॉलर के मुकाबले रुपया गिरता था तो विपक्ष कहता था कि जैसे-जैसे नेताओं का चरित्र गिरता है वैसे वैसे रुपया गिरता है। नेताओं का चरित्र ज्यादा गिरा या रुपया? इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार अशोक वानखेड़े, दिनेश के वोहरा, डा. केतन, प्रो. सबस्टियन मॉरिस (अर्थशास्त्री) और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एक लंबी परिचर्चा की।

दिनेश के वोहरा ने कहा कि दरअसल, किसी भी देश का रुपया हो या कोई और पैरामीटर ये सब तय करता है कि देश के आर्थिक हालात कैसे हैं। देश के साथ जो ग्लोबल हालात हैं, वे कैसे हैं। हम उन हालातों के मद्देनजर अपने उन हालातों को कैसे देखते हैं? जब भी हालात बिगड़ते हैं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तो इसका असर सभी देशों पर पड़ता है। पीएम मोदी ने नेहरू को लेकर कहा था कि कोरिया में कुछ होता तो भारत पर असर पड़ता है पर यूक्रेन को लेकर क्यूं नहीं बोले? इसलिए दूसरों का उपहास बनाने से पहले खुद के देश के बारे में सोचे। प्रो. सबस्टियन मॉरिस ने कहा कि रुपया गिरता है तो इम्पलीमेशन बढ़ेगा। इम्पोटेड चीजों के दाम बढ़ेंगे। इंडिया में इम्पोटेड चीजें ज्यादा आती हैं। तो ये असर तो होता ही है। जिस भी कंपनी ने डॉलर लोन लिया है, उनका भी कास्ट बढ़ता है। हमारे मिडिल क्लास में बहुत सारे लोग है, जिनके बच्चे बाहर पढ़ते हैं। उनको डॉलर में एडजस्ट करना होता है, उनका नुकसान सबसे ज्यादा होता है। अमेरिका के बैंक ने भी इंट्रेस्ट रेट बढ़ा दिया है।

डॉ. केतन ने कहा कि अभी जो गिरावट हो रही है वह पूरी दुनिया में हो रही है। 11 से 13 में 30 फीसदी इन्क्रीज हुआ था, उसके बाद क्या हुआ। सबने देखा ही है। आज की परिस्थिति में क्या हुआ है, उस पर चिंतन करना चाहिए क्योंकि पूरी दुनिया में स्थितियां खराब है।

अशोक वानखेड़े ने कहा कि गिरावट तो दोनों तरफ है और बहुत ज्यादा है लेकिन रुपया तो संभाल सकते हैं। दस कारण है। नेताओं का जो कैरेक्टर जो गिर रहा है, नैतिकता जो गिर रही है, इसको रोकने का कोई पैमाना नहीं है। बांध का टूटना तय है। बाढ़ का आना भी तय है। रुपया संभलेगा तो देश भी संभलेगा।

सूचना

यह कि मैं सुधीर कुमार श्रीवास्तव पुत्र श्री सुशील कुमार श्रीवास्तव, निवासी मकान न-551छ/9 न्यू सरदारी खेड़ा, आलमबाग लखनऊ का हूं। कहीं किसी दस्तावेजों में मेरा नाम सुधीर श्रीवास्तव है जो कि मेरा ही नाम है,यह कि मेरा पूरा नाम सुधीर कुमार श्रीवास्तव ही पढ़ा जाये।

रामदेव बोले, 2024 में मोदी ही होंगे प्रधानमंत्री

» अखिलेश की तारीफ की, कहा वे विपक्ष के अच्छे नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आगरा में ग्लोबोइल इंडिया-2022 सम्मेलन में आए योग गुरु बाबा रामदेव ने कांग्रेस पर तंज कसा। खुद को उद्यमशील बताया। कहा कि मैं राहुल गांधी नहीं रामदेव हूं। 2024 के चुनाव में पीएम तो मोदी साहब ही बनने वाले हैं।

ताजमहल और तेजोमहल विवाद पर बाबा रामदेव ने कहा कि वह राजनीति नहीं करना चाहते हैं। ताजमहल देखने की बात पर उन्होंने कहा कि पहले एक बार देख लिया। अब देखने नहीं जाना है। ताजमहल में भगवा पहनकर एंट्री विवाद पर भी उन्होंने अपनी बात रखी। कहा- भगवा और किसी संन्यासी का प्रवेश कहीं निषेध नहीं हो सकता है। योगी राज में तो बिल्कुल नहीं हो सकता है। उस विवाद का कोई और कारण रहा होगा। बाबा रामदेव ने कहा कि अखिलेश यादव विपक्ष के अच्छे नेता हैं। सत्ता पर टिप्पणी करना एक अच्छे नेता का राजधर्म है। यह लोकतंत्र के लिए शुभ है कि पक्ष और विपक्ष दोनों अच्छे हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध के लिए बाबा रामदेव ने अमेरिका की कूटनीति को कारण बताया। रामदेव ने कहा कि भारत कभी युद्ध में विश्वास नहीं रखता है। वर्तमान में परमाणु बम की धमकी तो सभी देश देते हैं। पाकिस्तान भी रोज कहता है कि परमाणु बम छोड़ देंगे। लेकिन, सब जानते हैं कि किसी ने भी ऐसा किया, तो उसके एक बम छोड़ते ही उस पर अलग-अलग देशों से 100 बम गिरा दिए जाएंगे। रामदेव ने कहा कि लंपी वायरस के आने के बाद घी महंगा हुआ है। हम कॉरपोरेट जगत में हैं, लेकिन हमारा काम जनता को लाभ देना है। कोरोना काल में हमने ग्राहकों को सस्ती दवाएं और अन्य उत्पाद देकर 10 हजार करोड़ का फायदा पहुंचाया। आज तक हमारे यहां एक भी विदेशी ब्रांड की आलोचना नहीं हुई। लेकिन, बाबा रामदेव के ब्रांड से लोगों के पेट में दर्द हो रहा है। उनके कंपटीटर उनके ब्रांड की लोकप्रियता से जल रहे हैं।

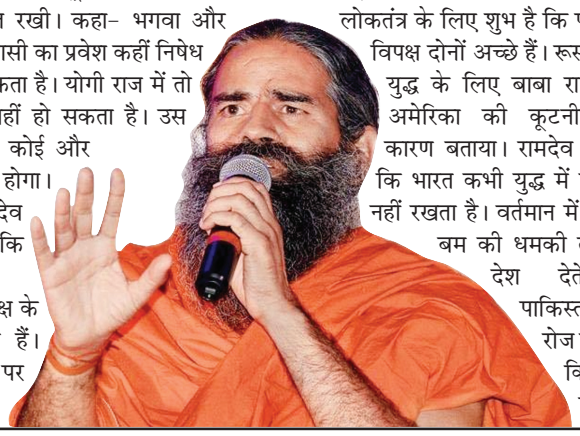

किसी को नौकरी न मिले तो हमारे पास आ जाए

बाबा रामदेव ने लोगों को सीख देते हुए कहा जो भारत के लिए सोचता है, भारत उसके लिए सोचता है। पहले मुझ निर्धन संन्यासी को करोड़ों रुपए का दान दिया। बाद में हमारे उत्पाद को भी अपनाया। इसलिए तय कर लो जब तक दम में दम है, तब तक बेदम नहीं होना चाहिए। आगरा के लोगों को आशीर्वाद देकर जा रहा हूं और अगर किसी को नौकरी न मिले तो वह हमारे पास आ जाए। हम उसे रोजगार देंगे। भविष्य में हम 5 लाख लोगों को रोजगार देने के लिए काम कर रहे हैं।

नेपाल सीमा पर लहराएगा 105 फीट ऊंचा भारतीय ध्वज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अब भारत की आन-बान-शान तिरंगा देश की दूसरी सीमाओं की तरह नेपाल सीमा पर भी लहराएगा। गृह मंत्रालय ने राष्ट्रध्वज लगाने को मंजूरी दी है। इस कार्य पर करीब 20 लाख रुपये का खर्च आएगा।

रुपईडीहा सीमा पर अब तक भारत का राष्ट्रध्वज नहीं लगा था। इस क्षेत्र में भारत-नेपाल के बीच खुली सीमा करीब डेढ़ सौ किलोमीटर के दायरे में फैली है। बहराइच से नेपाल जाने का मुख्य मार्ग रुपईडीहा है। सीमा पर महज एक द्वार बना हुआ है। यह द्वार नेपाल का है। इस द्वार पर भारत का कोई संकेतक नहीं लगा है। सशस्त्र सीमा सुरक्षा बल की जांच चौकी पार करते ही नो-मेंस लैंड शुरू हो जाता है। नेपाल आवागमन के लिए भारत सरकार ने इंटीग्रेटेड चेकपोस्ट का निर्माण शुरू कराया है। चेक पोस्ट का निर्माण लैंड पोर्ट अथारिटी आफ इंडिया (एलपीआई) करा रही है। चेकपोस्ट पर वाहनों की चेकिंग के साथ भारत की शान विशालकाय राष्ट्रीय ध्वज फहराने की भी कवायद चल रही है। गृह मंत्रालय से मंजूरी मिलने के बाद इसका प्रोजेक्ट तैयार किया गया है। अॅथारिटी के परियोजनाधिकारी एपी सिंह ने बताया कि चेकपोस्ट पर 105 फुट ऊंचा तिरंगा लगाया जाएगा।

कर्मचारी की मौत पर एलडीए में साथियों ने किया अफसरों का घेराव

मृतक आश्रित कोटे से नौकरी दिए जाने व आर्थिक मदद की मांग की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। गोमती नगर स्थित राम मनोहर लोहिया पार्क में माली के पद पर तैनात गया राम (42) की आज सुबह बीमारी के चलते मौत हो गई। दयाराम की आरती स्थिति बहुत खराब थी। घर में पत्नी 6 बेटियां और एक बेटा है। जिसके चलते साथी कर्मचारियों ने मृतक आश्रित कोटे से नौकरी दिए जाने की मांग करते हुए लखनऊ विकास प्राधिकरण कार्यालय पर इकट्ठा होकर अपने साथी के हक में आवाज बुलंद की।

स्मारक समिति के कर्मचारियों ने एलडीए अफसरों को मौके पर आने का दबाव बनाया। इस बीच पहुंची पुलिस ने भीड़ को समझाते हुए उनकी मांगों को प्राधिकरण के अफसरों तक पहुंचाने का आश्वासन दिया। स्मारक समिति के प्रशासन प्रबंधक डॉ आशीष कुमार ने बताया कि अभी तक मृतक आश्रित कोटे से नौकरी देने का प्रावधान नहीं है। प्रस्ताव शासन को भेजा गया जहां वह लंबित है। परिजनों का कहना है कि गया राम के खाते में मात्र 210 रूपए है। दाह संस्कार तक के लिए घर में पैसे नहीं हैं। 1090 के पास जियामउ इलाके में किराए के घर में पूरा परिवार रहता है।

बिना अनुमति नहीं कर सकते बंद का आह्वान : हाईकोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

केरल। केरल उच्च न्यायालय ने केरल में एक दिवसीय राज्यव्यापी बंद का आह्वान करने के लिए पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के नेताओं के खिलाफ स्वत: संज्ञान लिया है। केरल हाईकोर्ट के आदेश के अनुसार कोई भी राज्य में बिना अनुमति के बंद का आह्वान नहीं कर सकता है।

केरल उच्च न्यायालय का कहना है कि पुलिस को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सरकार और हड़ताल के आह्वान का समर्थन नहीं करने वाले नागरिकों की सार्वजनिक/निजी संपत्ति को किसी भी तरह की क्षति/विनाश को रोकने के लिए पर्याप्त उपाय किए जाएं। बता दें कि देशभर में पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) से जुड़े लोगों पर एनआईए और ईडी ने छापेमारी की। केंद्रीय जांच एजेंसियों ने टेरर फंडिंग मामले में पीएफआई के लोगों को बड़ी संख्या में गिरफ्तार भी किया है। केंद्रीय जांच एजेंसी की छापेमारी की कार्रवाई के खिलाफ पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया ने शुक्रवार को केरल बंद का आह्वान किया है। पीएफआई द्वारा बंद के आह्वान में केरल के विभिन्न हिस्सों में हिंसा की घटनाएं सामने आई हैं। तिरुवनंतपुरम में बंद का समर्थन कर रहे पीएफआई के लोगों ने एक ऑटो-रिक्शा और एक कार को कथित रूप से क्षतिग्रस्त कर दिया।

दीपोत्सव को ऐतिहासिक बनाने की योजना तैयार

» अवनीश अवस्थी ने ली बैठक, इस बार सात देशों की होगी रामलीला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अयोध्या। दीपोत्सव की तैयारियों की समीक्षा करने मुख्यमंत्री के नवनियुक्त सलाहकार अवनीश अवस्थी व प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति मुकेश मेश्राम अयोध्या पहुंचे। रामकथा संग्रहालय में जिले के अधिकारियों के साथ बैठक कर दीपोत्सव को ऐतिहासिक बनाने का खाका खींचा। दीपोत्सव में भीड़ नियंत्रण को लेकर बेहतर प्लान का निर्देश दिया। साथ ही 28 सितंबर को लता मंगेशकर चौराहे के लोकार्पण की भी तैयारियां 24 तक हर हाल में पूरा करने को कहा।

मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी ने कहा कि दीपोत्सव क्षेत्र राम की पैड़ी आदि में जो भी विद्युत तार ढीले हैं व खम्भे आदि जर्जर हैं। उसे बदला जाय। पेंटिंग का कार्य पूर्ण किया जाए व वहां स्थित हनुमान जी की मूर्ति का सौंदर्यीकरण किया जाए। दीपोत्सव क्षेत्र में जहां भी साइन बोर्ड या पेंटिंग आदि की आवश्यकता हो उसे पूरा करने को कहा। बताया कि लता मंगेशकर चौराहे के लोकार्पण के अवसर पर स्वर कोकिला लता मंगेशकर से संबंधित प्रदर्शनी, लघु फिल्म का भी प्रदर्शन होगा। इसकी भी तैयारियां संस्कृति एवं पर्यटन के अधिकारी पूरी करें। कार्य स्थल पर पर्याप्त संख्या में बैठने हेतु पंडाल, कुर्सी आदि लगाने को निर्देशित किया। दोनों अफसरों ने रामलला के दरबार में भी हाजिरी लगाई। दीपोत्सव में इस बार सात देशों की रामलीला होगी। इसका फाइनल प्रारूप तैयार किया जा चुका है। अयोध्या शोध संस्थान के प्रशासनिक अधिकारी रामतीरथ ने बताया कि दीपोत्सव में फिजी, वियतनाम, रूस, इंडोनेशिया, श्रीलंका, त्रिनिडाड व थाईलैंड के कलाकार रामलीला का मंचन करेंगे

दीपोत्सव में शामिल होंगे कोरिया सहित कई देशों के राजदूत

प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति मुकेश मेश्राम ने कहा कि कोविड के चलते दीपोत्सव में भीड़ की अनुमति नहीं दी गई थी। इस बार भीड़ ज्यादा हो सकती है। कोरिया सहित कई देशों के राजदूत भी शामिल होंगे। इसलिए भीड़ नियंत्रण का बेहतर प्लान बनाया जाए। बताया कि दीपोत्सव में लेजर शो, रामलीला, आतिशबाजी सहित अन्य आयोजन आकर्षण का केंद्र होंगे। ड्रोन शो को लेकर भी तैयारियां की जा रही हैं। विभिन्न देशों के राजदूत, सांस्कृतिक व साहित्यिक क्षेत्र के विशिष्ट लोगों को भी आमंत्रित किया जा रहा है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।